

सबु पेलि मौत

## THE FIRST DEATH





# सबु पेलि मौत

THE FIRST DEATH

Images by © 2021 Free bible images.  
Translated and Edited By Utsav K.D.

Merwari  
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Basic Book in Merwari Language  
(Green Level Book-2)

प्रकाशन:-  
राजस्थान इनिशिएटिव  
बंगला न. 34  
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़  
अजमेर 305001, राजस्थान

ISBN Geen level Book\_2

## दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें सबसे पहली मौत के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ने लिखने में सक्षम बन सकें।



परमेश्वर आदम  
एर हव्वा न  
बणायो ।

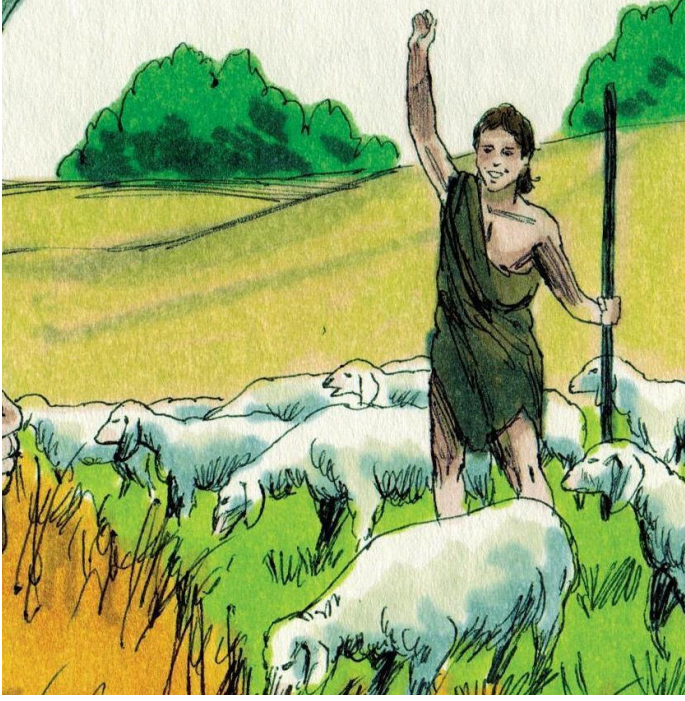


हव्वा के दो  
टावर होया।

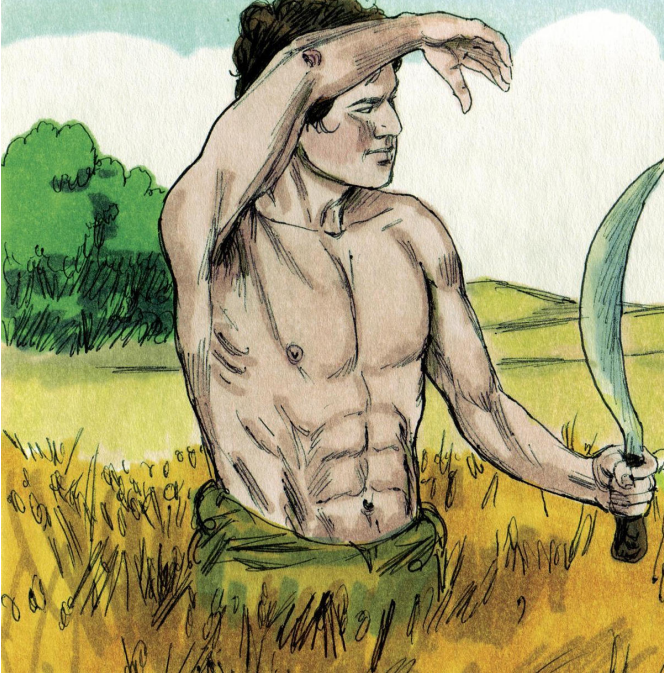


ब्याको नाम केन  
ऐर हाबिल हो ।





हाबिल रेवड़  
न चरावो हो।



केन खेती  
करो हो।



केन, हाबिल  
परमेसर केती  
चडावो ल्याया ।



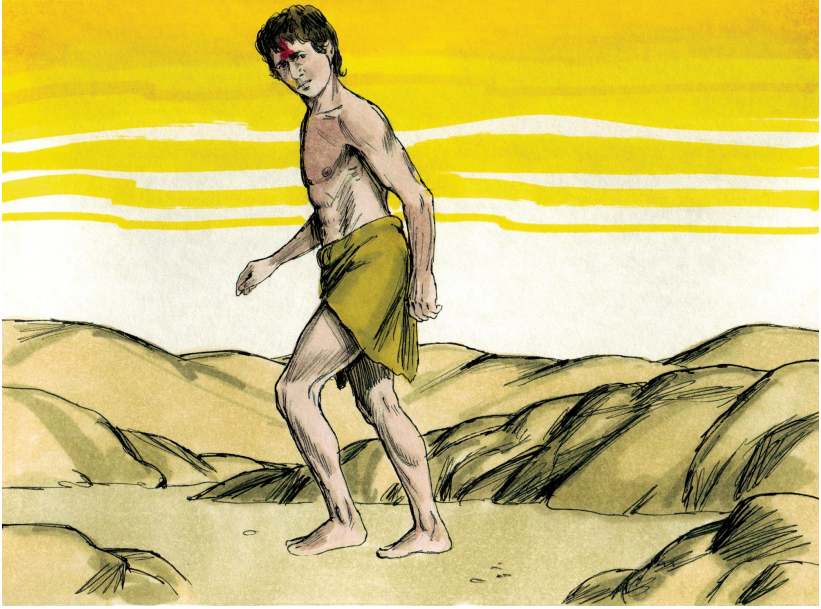
परमेश्वर हाबिल  
को चडावो  
मान लियो ।



परमेश्वर केन  
को चडावो नि  
मान्यो ।



जीऊं केन  
हाबिल ने मार  
दियो ।



अशान दुनिया  
म पेलि मौत  
हुई।





यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़

लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक

विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥